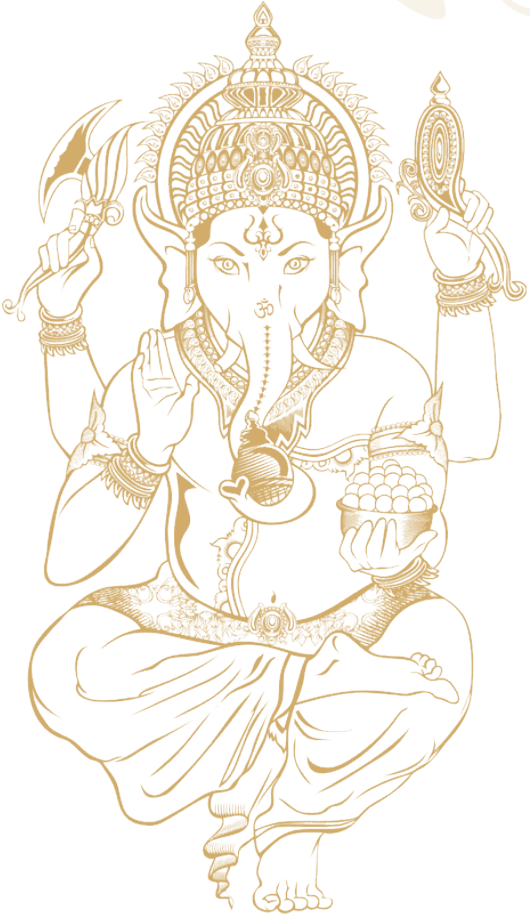

Sanni

16 Aug 2009

08:01 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121156404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/08/2009**
दिन	रविवार
जन्म समय	**08:01:00 घंटे**
इष्ट	06:30:59 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:11:00 घंटे
वेलान्तर	-00:04:18 घंटे
साम्पातिक काल	05:49:29 घंटे
सूर्योदय	05:24:36 घंटे
सूर्यास्त	18:23:26 घंटे
दिनमान	12:58:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	29:22:49 कर्क
लग्न के अंश	03:37:17 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	हर्षण
करण	बव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:37:17	327:44:33	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			कर्क	29:22:49	00:57:41	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृष	29:33:38	14:23:04	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			वृष	29:47:52	00:39:14	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
बुध			सिंह	25:17:21	01:16:31	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मक	27:53:43	00:07:51	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	नीच राशि
शुक्र			मिथु	23:30:06	01:10:31	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि			सिंह	27:01:31	00:06:55	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
राहु			मक	06:04:17	00:01:20	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			कर्क	06:04:17	00:01:20	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		मीन	01:50:46	00:01:54	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप	व		कुंभ	01:07:38	00:01:38	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	06:50:29	00:00:47	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			मिथु	03:35:46	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:45

लग्न-चलित

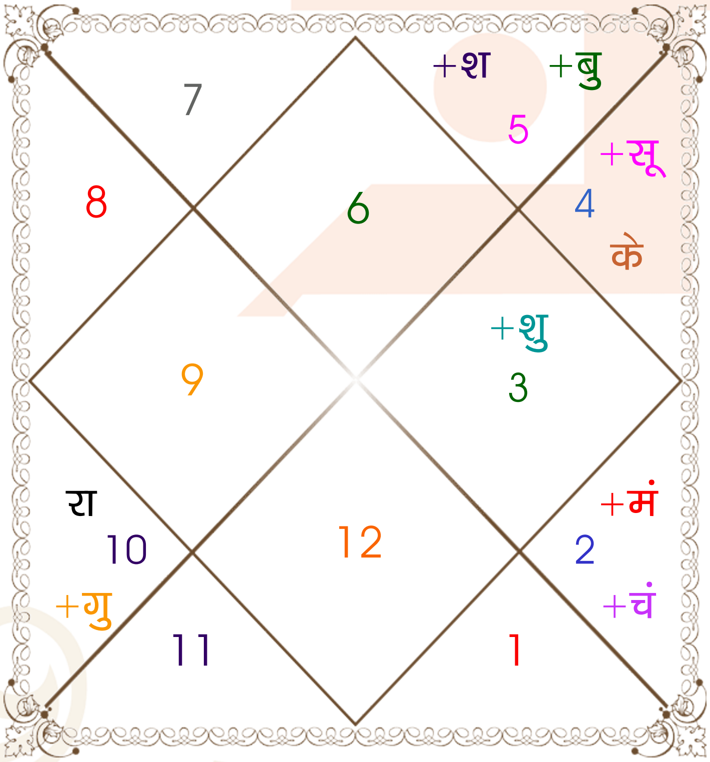

चन्द्र कुंडली

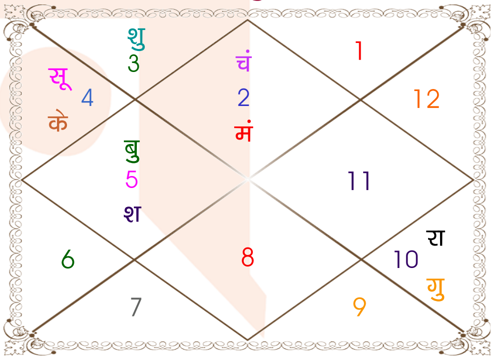

नवमांश कुंडली

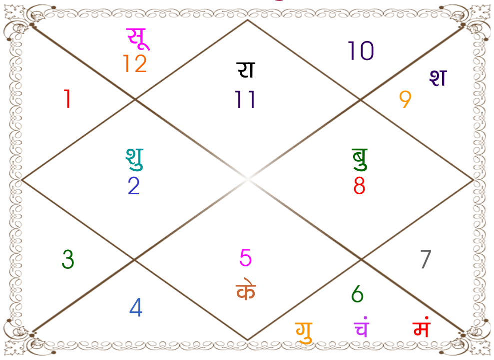

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 8 मास 23 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
16/08/2009	09/05/2013	10/05/2031	10/05/2047	10/05/2066
09/05/2013	10/05/2031	10/05/2047	10/05/2066	10/05/2083
00/00/0000	राहु 21/01/2016	गुरु 27/06/2033	शनि 13/05/2050	बुध 05/10/2068
00/00/0000	गुरु 15/06/2018	शनि 08/01/2036	बुध 20/01/2053	केतु 03/10/2069
16/08/2009	शनि 21/04/2021	बुध 15/04/2038	केतु 01/03/2054	शुक्र 02/08/2072
शनि 08/11/2009	बुध 09/11/2023	केतु 22/03/2039	शुक्र 30/04/2057	सूर्य 09/06/2073
बुध 05/11/2010	केतु 26/11/2024	शुक्र 20/11/2041	सूर्य 12/04/2058	चंद्र 08/11/2074
केतु 03/04/2011	शुक्र 27/11/2027	सूर्य 08/09/2042	चंद्र 12/11/2059	मंगल06/11/2075
शुक्र 03/06/2012	सूर्य 21/10/2028	चंद्र 08/01/2044	मंगल20/12/2060	राहु 25/05/2078
सूर्य 08/10/2012	चंद्र 21/04/2030	मंगल14/12/2044	राहु 27/10/2063	गुरु 30/08/2080
चंद्र 09/05/2013	मंगल10/05/2031	राहु 10/05/2047	गुरु 10/05/2066	शनि 10/05/2083

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
10/05/2083	10/05/2090	11/05/2110	10/05/2116	11/05/2126
10/05/2090	11/05/2110	10/05/2116	11/05/2126	00/00/0000
केतु 06/10/2083	शुक्र 08/09/2093	सूर्य 28/08/2110	चंद्र 11/03/2117	मंगल07/10/2126
शुक्र 05/12/2084	सूर्य 08/09/2094	चंद्र 27/02/2111	मंगल10/10/2117	राहु 25/10/2127
सूर्य 12/04/2085	चंद्र 09/05/2096	मंगल05/07/2111	राहु 11/04/2119	गुरु 30/09/2128
चंद्र 11/11/2085	मंगल09/07/2097	राहु 28/05/2112	गुरु 10/08/2120	शनि 17/08/2129
मंगल09/04/2086	राहु 10/07/2100	गुरु 17/03/2113	शनि 11/03/2122	00/00/0000
राहु 28/04/2087	गुरु 11/03/2103	शनि 27/02/2114	बुध 10/08/2123	00/00/0000
गुरु 03/04/2088	शनि 11/05/2106	बुध 03/01/2115	केतु 10/03/2124	00/00/0000
शनि 13/05/2089	बुध 11/03/2109	केतु 11/05/2115	शुक्र 09/11/2125	00/00/0000
बुध 10/05/2090	केतु 11/05/2110	शुक्र 10/05/2116	सूर्य 11/05/2126	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 8 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरुष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।